भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 6

सोमवार, 1 दिसम्बर, 2025 (10 अग्रहायण, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला

उत्तर

उड़ान योजना के अंतर्गत विमानपत्तनों की न्यून उपयोगिता

6 श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उड़ान योजना के अंतर्गत विकसित कतिपय विमानपत्तनों का क्षमता से कम उपयोग हो रहा है अथवा वहां से वाणिज्यिक उड़ानों का सीमित संचालन किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो ऐसे विमानपत्तनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है जहाँ वाणिज्यिक संचालन अभी तक आरंभ नहीं हुआ है या बंद कर दिया गया है;

(ग) क्या सरकार ने उड़ान मार्गों के अंतर्गत एयरलाइनों की कम भागीदारी और व्यवहार्यता संबंधी चुनौतियों के कारणों की कोई समीक्षा की है;

(घ) यात्रियों की कम माँग, निजी एयरलाइनों की सीमित रुचि जैसे मुद्दों के समाधान के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उड़ान मॉडल में संशोधन करने का विचार रखती है ताकि क्षेत्रीय विमानपत्तन अनर्जक परिसंपत्ति न बन जाएँ?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उडान) के अंतर्गत, देशभर में 15 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित 93 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 651 मार्गों का प्रचालन किया गया है। अब तक, निम्नलिखित पंद्रह हवाईअड्डे अर्थात् पठानकोट, पाक्योंग, कुशीनगर, अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती, मुरादाबाद, भावनगर, अंबिकापुर, राउरकेला, लुधियाना, दतिया, कालाबुरगि और शिमला विभिन्न कारणों यथा तीन साल का वीजीएफ कार्यकाल पूरा करने, खराब दृश्यता स्थिति, विमानों की कमी और रखरखाव के लिए रनवे को बंद करना आदि उड़ान योजना के अंतर्गत अस्थायी रूप से अप्रचालनिक हैं।

(ग) और (घ): राज्य सरकारों, एयरलाइनों, हवाईअड्डा प्रचालकों आदि जैसे हितधारकों से नियमित रूप से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर मंत्रालय ने मार्ग व्यवहार्यता और एयरलाइन भागीदारी का समाधान करने के लिए समय-समय पर योजना प्रावधानों में सुधार किया है। वर्तमान में, आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत प्रमुख एयरलाइनों सहित 10 एयरलाइनें प्रचालन कर रही हैं।

(ङ): सरकार ने देशभर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है।

*****